कविता विचारों और संवेदना अभिव्यक्ति का सशक्त माध्यम

पत्रिका न्यूज़ नेटवर्क
patrika.com

बीकानेर. साहित्य अकादमी, नई दिल्ली के तत्वावधान में कवि संधि कार्यक्रम के तहत हिन्दी-राजस्थानी के कवि राजेन्द्र जोशी का राजस्थानी काव्यपाठ का ऑनलाइन कार्यक्रम सोमवार को आयोजित किया गया। कार्यक्रम प्रभारी ज्योति कृष्ण वर्मा ने बताया कि कविता विचारों और संवेदना की अभिव्यक्ति का सशक्त माध्यम है। वर्मा ने जोशी की कविताओं पर टिप्पणी करते हुए कहा कि जोशी एक संवेदनशील कवि हैं। उन्होंने कहा कि इनकी कविताओं में ओढ़ी हुई बौद्धिकता नहीं है। उन्होंने जोशी को गम्भीर रचनाकार बताते हुए कहा कि जोशी के चार कविता संग्रह एवं दो कहानी संग्रह प्रकाशित हो चुके हैं। इस अवसर पर जोशी ने लगभग दर्जनभर राजस्थानी कविताओं का वाचन किया। उन्होंने 'मां' शीर्षक कविता से पढ़ना शुरू किया। उन्होंने कोट गेट रो भायलो कविता के माध्यम से कवि, मालिक और मजदूर के रिश्तों की बानगी प्रस्तुत की। रेत-छव कविता के माध्यम से कवि रेत की खूबसूरती को प्रकट किया। उन्होंने 'कित्तो धीजो राखै हिवड़ै री गैराई मांय इण तपतै जेठ रै दोपारै' सुनाई। एक कविता में कवि ने आड़तियों द्वारा किसानों को लूटने का बखान करते हुए किसानों के दर्द की पैरवी की।